AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

स्थगित परीक्षाएं सबसे पहले होंगी

लविवि के समक्ष परीक्षाओं को समय पर संपन्न कराने की बड़ी जिम्मेदारी

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के यूजी व पीजी प्रथम सेमेस्टर परीक्षाओं की तैयारियां शुरू हो गई हैं। हालांकि, कोरोना संक्रमण परीक्षा कार्यक्रम तय करने में थोड़ी बाधा जरूर डालेगा। कोरोना की वजह से लविवि की अन्य सेमेस्टर की परीक्षाएं स्थगित हो गई हैं। स्थिति नियंत्रण में आने के बाद जब विवि खुलेगा तो पहले स्थगित सेमेस्टर की परीक्षाओं को संपन्न कराया जाएगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय परीक्षा विभाग के सिर पर सेमेस्टर परीक्षाओं को सकुशल व सही समय पर संपन्न कराने की दोगुनी जिम्मेदारी आन पड़ी है। यूजी व पीजी प्रथम सेमेस्टर परीक्षाओं को सही समय पर संपन्न कराना चुनौती भरा होगा। क्योंकि, इससे पहले विवि को अन्य सेमेस्टर की परीक्षाएं जो स्थगित कर दी गई हैं, उन्हें जल्द से जल्द संपन्न कराना होगा। जो परीक्षाएं स्थगित की गई हैं उनमें से अधिकांश फरवरी में होनी थीं। इसके बाद यूजी व पीजी प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं शुरू होनी थीं, लेकिन अब विवि परीक्षा विभाग की सबसे बड़ी जिम्मेदारी विवि खुलने पर

यूजी और पीजी प्रथम सेमेस्टर परीक्षाओं को सही समय पर संपन्न कराना चुनौती

जल्द से जल्द स्थगित परीक्षाओं को संपन्न कराने की होगी। यूजी व पीजी प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं सबसे बड़ी होंगी, जिसके देखते हुए विवि ने तैयारी शुरू कर दी है। पहली बार इस परीक्षा में विवि से जुड़े चार जिलों हरदोई, रायबरेली, सीतापुर और लखीमपुर खीरी के कॉलेजों के छात्रों की भी परीक्षा करानी है। यह पहली बार होगा जब विवि दूसरे जिलों के कॉलेजों के छात्रों की भी परीक्षा कराएगा, जिसकी बड़े पैमाने पर तैयारियां करनी होंगी। स्थगित परीक्षाओं की वजह से प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं मार्च-अप्रैल में कराने की तैयारी है। विवि प्रशासन की योजना है कि कोरोना की वजह से प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा के संचालन में ज्यादा देरी न हो और समय पर रिजल्ट जारी कर सत्र प्रारंभ कर दिया जाए। इसके लिए विवि ने परीक्षा के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 25 दिसंबर निर्धारित की है।

यह समयावधि चार जिलों के कॉलेजों के लिए भी है। 28 तक परीक्षा फॉर्म कॉलेजों में जमा कराना है। इसके बाद बार परीक्षा केंद्र बनाने की प्रक्रिया शुरू होगी। विवि प्रशासन को परीक्षा केंद्र बनाने के लिए इस बार थोड़ी ज्यादा मशक्कत करनी है। चार नए जिलों में भी परीक्षा केंद्र विवि को ही बनाने हैं। नोडल सेंटर पहले ही बना दिए गए हैं। नोडल सेंटर पर परीक्षा सामग्री उपलब्ध रहेगी। दूसरे जिलों में बिना किसी गड़बड़ी के नकल विहीन परीक्षा कराना विवि के लिए सबसे बड़ी चुनौती होगी। पहले परीक्षा कार्यक्रम जारी होगा इसके बाद परीक्षा केंद्रों की सूची। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि परीक्षा कि तैयारियां की जा रही हैं। अभी परीक्षा फॉर्म भरने के लिए छात्रों को 25 दिसंबर तक का समय दिया गया है।

लविवि से 20 नए कॉलेज और जुड़ेंगे

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय से 20 नए कॉलेज और जुड़ेंगे। इन्हें खोलने के लिए ऑनलाइन प्रस्ताव विवि प्रशासन को मिल चुका है। ये नए कॉलेज लखनऊ, हरदोई, सीतापुर, रायबरेली और लखीमपुर खीरी में खोले जाने को लेकर कार्यवाही चल रही है। कॉलेज खोलने के लिए भूमि संबंधी सत्यापन के लिए जिलाधिकारियों से अनुरोध किया गया है।

कॉलेज खोलने के लिए विवि को मिला प्रस्ताव

वर्तमान में लखनऊ विवि से करीब 523 कॉलेज संबद्ध हैं। इनमें हरदोई, सीतापुर, रायबरेली और लखीमपुर खीरी के भी कॉलेज हैं। वहीं, अब 20 नए कॉलेज और जुड़ने वाले हैं। एलयू को लखनऊ में नौ, हरदोई में तीन, लखीमपुर खीरी में एक, सीतापुर में चार और रायबरेली में तीन कॉलेज खोले जाने के ऑनलाइन प्रस्ताव मिले हैं। कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि नए कॉलेज खोलने के भूमि संबंधी सत्यापन को लेकर प्रपत्र संबंधित जिलाधिकारियों को भेजे जा चुके हैं। उनसे अनुरोध किया गया है कि 31 जनवरी तक सत्यापन आख्या ऑनलाइन उपलब्ध कराएं। बताया कि पूर्व में संचालित कुछ कॉलेजों में नए पाठ्यक्रम खोले जाने के भी प्रस्ताव मिले हैं। (माई सिटी रिपोर्टर)

NBT PAGE 3

एनईपी के तहत बदलाव | एनसीटीई ने नए सत्र से लागू करने की बनाई योजना

एलयू बनाएगा एक साल के बीएड का पाठ्यक्रम

■ एनबीटी, लखनऊ

लगभग आठ साल बाद फिर से बीएड पाठ्यक्रम एक साल का होने जा रहा है। पाठ्यक्रम की संरचना लगभग तैयार कर ली गई है। नैशनल टीचर आफ काउंसिल एजुकेशन (एनसीटीई) ने नए सत्र से एक वर्षीय बीएड पाठ्यक्रम शुरू करने की योजना बनाई है। पाठ्यक्रम बनाने की जिम्मेदारी लखनऊ यूनिवर्सिटी की डीन एजुकेशन प्रो.तृप्ता त्रिवेदी की अध्यक्षता में गठित कमिटी को दी गई है। जानकारी के मुताबिक, फरवरी के अंत तक पाठ्यक्रम के हर पैमाने को तैयार कर मंजूरी के लिए एनसीटीई को भेज दिया जाएगा।

साल 2014 से पहले बीएड पाठ्यक्रम एक साल का ही पढ़ाया जाता था। इसके बाद से दो साल का पाठ्यक्रम लागू हो गया। अब नई शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 के अनुसार फिर से एक साल का पाठ्यक्रम शुरू होने जा रहा है। प्रो. तृप्ता त्रिवेदी के मुताबिक एक वर्षीय बीएड पाठ्यक्रम को दो सेमेस्टर में बांटा जाएगा। नई शिक्षा नीति के अनुसार इसकी संरचना लगभग तैयार हो गई है। स्कूली शिक्षा में वदलाव के आधार पर पाठ्यक्रम तैयार किया जा रहा है। यह चॉइस वेस क्रेडिट सिस्टम (सीवीसीएस) के तहत होगा।

छह सदस्यीय कमिटी को मिली जिम्मेदारी

एनसीटीई की ओर से एक वर्षीय बीएड पाठ्यक्रम बनाने के लिए छह सदस्यीय कमिटी बनाई गई है। इसमें एलयू की डीन एजुकेशन प्रो. तृप्ता त्रिवेदी को चेयरपर्सन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सदस्य के तौर पर जम्मू यूनिवर्सिटी की प्रो.रेनू खुराना, तमिलनाडु टीचर एजुकेशन यूनिवर्सिटी के प्रो. एस.मनी, एसवीपीजी गोरखपुर विवि के प्रो. बृजेश पांडेय, एमएसयू बड़ौदा की प्रो. छाया गोयल और वनस्थली विद्यापीठ के प्रो. अजय खुराना को शामिल किया गया है।

HINDUSTAN PAGE 6

लखनऊ समेत चार जिलों में एलयू खोलेगा 20 नए कॉलेज

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय अगले सत्र में 20 कॉलेज खोलने की तैयारी में है। ये कॉलेज लखनऊ समेत अन्य चार जिलों रायबरेली, सीतापुर, हरदोई और लखीमपुर में खोले जाएंगे। कॉलेजों के लिए भूमि सत्यापन का काम 31 जनवरी तक पूरा किया जाना है।

एलयू के कुलपति डॉ. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि बुधवार को इस सम्बंध में अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा की अध्यक्षता में हुई ऑनलाइन बैठक में निर्णय लिया गया कि जहां ये कॉलेज खोले जाने हैं, उस भूमि के सत्यापन की प्रक्रिया 31 तक पूरी कर ली जाए। लखनऊ से नौ, हरदोई से तीन, लखीमपुर से एक, सीतापुर से चार और रायबरेली से तीन कॉलेजों के लिए ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हुए हैं। इन्हें सम्बंधित जिलाधिकारियों को भेज दिया गया है, यह भी कहा गया है कि सभी जिलों से कॉलेजों की भूमि सत्यापन रिपोर्ट 31 जनवरी तक शासन में उपलब्ध करा दी जाए। अभी 540 कॉलेज एलयू से सम्बद्ध हैं।

JAGRAN CITY PAGE I

लवि खोजेगा फर्न पौधे की विलुप्त व नई प्रजातियां

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) सजावट से लेकर बीमारियों तक में काम आने वाले फर्न (टेरिडोफाइट) पौधे की विलुप्त होने वाली और नई प्रजातियों का पता लगाएगा।

बहराइच के कतर्नियाघाट वन्यजीव अध्यारण्य में इस पौधे के संरक्षण और जैव विविधता पर भी अध्ययन किया जाएगा। राज्य सरकार की रिसर्च एंड डेवलपमेंट योजना के तहत विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डा. अल्का कुमारी को इसका प्रोजेक्ट मिला है। इसके लिए बजट भी स्वीकृत हो गया है। भारत में फर्न पौधे की एक हजार से 1,200 और विश्व में 12 हजार प्रजातियां पाई जाती हैं। पुष्प रहित इस पौधे का उपयोग बुके में सजावट के साथ-साथ कोल्ड फीवर, जुकाम रोकने व बालों को बढ़ाने में औषधि के रूप में किया जाता है।

एसोसिएट प्रोफेसर अल्का कुमारी ने बताया कि ज्यादातर पहाड़ी इलाकों व जंगलों में पाया जाने वाला फर्न पौधा वातावरण में विषाक्त तत्वों को अवशोषित कर लेता है। यह प्रदूषण का सूचक भी माना जाता है। इसमें जीवाणु प्रतिरोधक क्षमता भी होती है।

फर्न पौधा ● फाइल फोटो

जैव विविधता का भी होगा अध्ययन

डा. अल्का कुमारी के मुताबिक सर्वे के लिए बहराइच के कतर्नियाघाट वन्यजीव अभ्यारण्य को चुना गया है। इंटरनेशनल यूनियन फार कंजर्वेशन आफ नेचर एंड नेचुरल रिसोर्सेज (आइयूसीएन) के मानक के अनुसार यहां देखेंगे कि फर्न पौधे की कौन-कौन सी प्रजातियां विलुप्त हो रही हैं और कौन सी विलुप्त होने की कगार पर हैं। कौन सी नई प्रजातियां हैं? इसके अलावा फर्न पौधे की जैव विविधता क्या है? किन-किन प्रजाति का सबसे ज्यादा विस्तार हुआ है, जिसकी वजह से दूसरे पौधे नहीं बढ़ पाते हैं। यह प्रोजेक्ट एक साल का है। इसकी रिपोर्ट तैयार कर राज्य सरकार को भेजी जाएगी।

i-NETX PAGE 3

खोजी जाएंगी फर्न की विलुप्त प्रजातियां

LUCKNOW(19 Jan): लखनऊ विश्वविद्यालय सजावट से लेकर बीमारियों तक में काम आने वाले फर्न पौधे की विलुप्त और नई प्रजातियों का पता लगाएगा. बहराइच के कतर्नियाघाट वन्यजीव अभ्यारण्य में इस पौधे के संरक्षण और जैव विविधता पर भी अध्ययन होगा. राज्य सरकार की रिसर्च एंड डेवलपमेंट योजना के तहत विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अल्का कुमारी को इसका प्रोजेक्ट मिला है और बजट भी स्वीकृत हो गया है. देश में फर्न पौधे की 1 हजार से 1,200 और विश्व में 12 हजार प्रजातियां हैं. पुष्प रहित इस पौधे का उपयोग बुके में सजावट के साथ-साथ कोल्ड फीवर, जुकाम रोकने व बालों को बढ़ाने में औषधि के रूप में किया जाता है. एसोसिएट प्रोफेसर अल्का कुमारी ने बताया कि ज्यादातर पहाड़ी इलाकों व जंगलों में पाया जाने वाला फर्न पौधा वातावरण में विषाक्त तत्वों को अवशोषित कर लेता है. यह प्रदूषण का सूचक भी माना जाता है. इसमें जीवाणु प्रतिरोधक क्षमता भी होती है.

जैव विविधता का भी होगा अध्ययन

डा. अल्का कुमारी के मुताबिक सर्वे के लिए बहराइच के कतर्नियाघाट वन्यजीव अभ्यारण्य को चुना गया है. इंटरनेशनल यूनियन फार कंजर्वेशन आफ नेचर एंड नेचुरल रिसोर्सेज (आइयूसीएन) के मानक के अनुसार यहां देखेंगे कि फर्न पौधे की कौन-कौन सी प्रजातियां विलुप्त हो रही हैं और कौन सी विलुप्त होने की कगार पर हैं. कौन सी नई प्रजातियां हैं? इसके अलावा फर्न पौधे की जैव विविधता क्या है? किन-किन प्रजाति का सबसे ज्यादा विस्तार हुआ है, जिसकी वजह से दूसरे पौधे नहीं बढ़ पाते हैं. यह प्रोजेक्ट एक साल का है. इसकी रिपोर्ट तैयार कर राज्य सरकार को भेजी जाएगी

रोगों की नई प्रवृत्तियों पर दी जानकारी

लखनऊ। इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड मॉलिक्यूलर जेनेटिक्स एंड इंफेक्शियस डिजीज, ओएनजीसी सेंटर फॉर एडवांस स्टीज और आणविक व मानव आनुवंशिकी प्रयोगशाला प्राणी विज्ञान विभाग लविवि द्वारा स्वास्थ्य और रोगों की नई प्रवृत्तियां विषय पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय ई सम्मेलन की शुरुआत की गई। अनुसंधान एवं विकास योजना उच्च शिक्षा उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से आयोजित इस सम्मेलन के लिए 400 से ज्यादा शोधार्थियों ने पंजीकरण कराया है जो ई पोस्टर के माध्यम से अपना शोधकार्य प्रस्तुत करेंगे। इसमें भारत सहित फ्रांस, यूएस, आयरलैंड, ऑस्ट्रेलिया के भी वक्ता अपना शोधकार्य प्रस्तुत करेंगे। सम्मेलन के पहले दिन मुख्य अतिथि बायोमेडिकल रिसर्च सेंटर के निदेशक आलोक धवन ने नैनोमैटेरियल टॉक्सिकोलॉजी से संबंधित उद्घाटन भाषण दिया। एसजीपीजीआई के चिकित्सा आनुवंशिकी विभाग की प्रमुख प्रो. शुभा आर फड़के ने मनोजेनिक विकारों में अगली पीढ़ी के अनुक्रमण की भूमिका के बारे में बताया। इस अवसर पर सम्मेलन के संयोजक व आयोजक आईएएमजीआईडी की निदेशिका प्रो. मोनिशा बनर्जी, लविवि के डीन रिसर्च प्रो. राजीव पांडेय, प्रो. राकेश चंद्रा, प्रो. सुधीर मेहरोत्रा ने भी व्याख्यान दिया।(माई सिटी रिपोर्टर)

लविवि में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय ई सम्मेलन की शुरुआत

25 को होगी प्रतियोगिता

लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा शुरू की गई साहित्यिक संस्था काव्योम की ओर से गणतंत्र दिवस के अवसर पर दो दिवसीय साहित्यिक कार्यक्रम 'भारतवाणी' का आयोजन किया जाएगा. कार्यक्रम के तहत काव्य लेखन, काव्य पाठ, भाषण, निबंध और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताएं आनलाइन होंगी. 25 और 26 जनवरी को होने वाली प्रतियोगिताओं के लिए <e>kaavyompariwar@gmail.com पर संपर्क किया जा सकता है.

25 जनवरी तक भर सकते है फर्स्ट सेमेस्टर के एग्जाम फॉर्म

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (19 Jan): एलयू पहली बार लखनऊ के साथ चार अन्य जिलों के डिग्री कॉलेजों में यूजी, पीजी फर्स्ट सेमेस्टर के एग्जाम करायेगा. इसके लिए एग्जाम फार्म भरने की डेट 25 जनवरी तक बढ़ाई गई है. 28 जनवरी तक इसे जमा करने के निर्देश दिए गए हैं. इसके बाद फर्स्ट सेमेस्टर के एग्जाम के लिए केंद्र बनाने की प्रक्रिया शुरू होगी. माना जा रहा है कि कोविड की स्थिति सामान्य होने पर मार्च-अप्रैल में फर्स्ट सेमेस्टर के एग्जाम हो सकती है. एलयू से पहली बार रायबरेली, लखीमपुर खीरी, हरदोई व सीतापुर के 300 से ज्यादा डिग्री कॉलेज जुड़े हैं. इनमें सत्र 2021-22 में प्रवेश लेने वाले यूजी-पीजी प्रथम सेमेस्टर के स्टूडेंट्स के एग्जाम एलयू कराएगा. एग्जाम कंट्रोलर विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि इन एग्जाम के लिए 21 नोडल केंद्र बनाए गए हैं. इन नोडल केंद्रों के माध्यम से ही परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा सामग्री भेजी जाएगी.

PIONEER PAGE 3

लविवि में 25 तक भर सकते हैं फर्स्ट सेमेस्टर के परीक्षा फॉर्म

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने यूजी स्तर पर फर्स्ट सेमेस्टर के परीक्षा फार्म 25 जनवरी तक भरने की तिथि बढ़ा दी है। जबकि 28 जनवरी तक फार्म जमा करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके बाद फर्स्ट सेमेस्टर की परीक्षा के लिए केंद्र बनाने की प्रक्रिया शुरू होगी। माना जा रहा है कि कोविड की स्थिति सामान्य होने पर मार्च-अप्रैल में फर्स्ट सेमेस्टर की परिक्षस हो सकती हैं। एलयू से पहली बार रायबरेली, लखीमपुर खीरी, हरदोई व सीतापुर के 300 से ज्यादा डिग्री कॉलेज जुड़े हैं। इनमें सत्र 2021-22 में प्रवेश लेने वाले यूजी-पीजी प्रथम सेमेस्टर के स्टूडेंट्स के एग्जाम एलयू कराएगा। एग्जाम कंट्रोलर विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि इन एग्जाम के लिए 21 नोडल केंद्र बनाए गए हैं। इन नोडल केंद्रों के माध्यम से ही परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा सामग्री भेजी जाएगी।

31 तक देनी होगी भूमि की सत्यापन रिपोर्ट

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के अंतर्गत नए कालेज खोलने के लिए आए आवेदन पत्रों के आधार पर संबंधित डीएम को 31 जनवरी तक भूमि की सत्यापन रिपोर्ट आनलाइन उपलब्ध करानी होगी। बुधवार को शासन के साथ आनलाइन बैठक के बाद विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. विनोद सिंह ने पत्र जारी कर दिया है।

वर्तमान में लखनऊ विश्वविद्यालय से 500 से अधिक कालेज संबद्ध हैं। आगामी सत्र में 20 नए कालेज खोलने के लिए आनलाइन आवेदन आए हैं। इनमें लखनऊ से नौ, हरदोई से तीन, लखीमपुर खीरी से एक, सीतापुर से चार और रायबरेली से तीन प्रस्ताव आए हैं। कुलसचिव डा. विनोद सिंह ने बताया कि इन प्रस्तावों को संबंधित जिले के डीएम को भूमि सत्यापन के लिए भेज दिया गया है। आनलाइन बैठक के बाद इसकी हार्ड कापी उच्च शिक्षा अधिकारी और संबंधित महाविद्यालय के प्रबंधक को भी भेज दी गई। शासन ने भूमि सत्यापन की आख्या 31 जनवरी तक मांगी है। इसलिए जिलाधिकारियों से निर्धारित तिथि तक आख्या आनलाइन पोर्टल पर उपलब्ध कराने के लिए कहा गया है।

लवि : परीक्षा फार्म भरने की तिथि 25 तक बढ़ी

लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) पहली बार लखनऊ के साथ चार अन्य जिलों के महाविद्यालयों में स्नातक, परास्नातक प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं आयोजित करेगा। इसके लिए परीक्षा फार्म भरने की तिथि 25 जनवरी तक बढ़ाई गई है। 28 जनवरी तक इसे जमा करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके बाद प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाओं के लिए केंद्र बनाना शुरू होगा। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया किलवि से पहली बार रायबरेली, लखीमपुर, हरदोई व सीतापुर के 300 से ज्यादा किलोज जुड़े हैं। सत्र 2021-22 के यूजी-पीजी प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों की परीक्षाएं लवि कराएगा।

AMRIT VICHAR PAGE 5

तैयारी | लखनऊ विश्वविद्यालय चार जिलों में आयोजित करने जा रहा सेमेस्टर परीक्षाएं

स्नातक और परास्नातक छात्र अब 25 तक भरें परीक्षा फॉर्म

अमृत विचार,लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय ने पहली बार राजधानी के साथ चार अन्य जिलों के डिग्री कॉलेजों में स्नातक और स्नातकोत्तर के प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा आयोजित करेगा। इसके लिए परीक्षा फार्म भरने की अन्तिम तिथि बढ़ा दी है। अब विद्यार्थी 25 जनवरी तक फार्म भर सकते हैं। मार्च या अप्रैल में परीक्षा होने की उम्मीद है।

विवि ने विद्यार्थियों को 28 जनवरी तक इसे जमा करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके बाद प्रथम सेमेस्टर के लिए परीक्षा केन्द्र बनाने की प्रक्रिया शुरू होगी। माना जा रहा है कि कोविड की स्थिति सामान्य होने पर मार्च-अप्रैल में प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा हो सकती हैं। विविद से पहली बार रायबरेली, लखीमपुर खीरी, हरदोई व सीतापुर के 300 से ज्यादा डिग्री कालेज जुड़े हैं। इनमें सत्र 2021-22 में प्रवेश लेने वाले स्नातक और स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों की परीक्षा लविवि कराएगा। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि इस परीक्षा के लिए 21 नोडल केंद्र बनाए गए हैं। इन नोडल केंद्रों के माध्यम से ही परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा सामग्री भेजी जाएगी।

विवि में शुरू हुआ तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय ई-सम्मेलन

लविवि में इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड मॉलिक्यूलर जेनेटिक्स एंड इंफेक्शियस डिजीज, ओएनजीसी सेंटर फॉर एडवांस स्टडीज व आणविक और मानव आनुवंशिकी प्रयोगशाला, प्राणी विज्ञान विभाग, लविवि द्वारा, अनुसंधान एवं विकास योजना, उच्च शिक्षा के सहयोग से 'हाल ही में स्वास्थ्य और रोगों की नई प्रवृत्तियां' विषय पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय ई-सम्मेलन की शुरुआत कुवार को की गई। यह सम्मेलन 21 जनवरी तक चलेगा। सम्मेलन में भारत सहित पांच देशों फ्रांस, यूएसए, आयरलैंड, ऑस्ट्रेलिया से कई प्रतिष्ठित राष्ट्रीय वक्ता शोधकार्य प्रस्तुत करेंगे।

लखनऊ विश्वविद्यालय संबद्ध खुलेंगे 20 नये कॉलेज

स्नातक और परास्नातक की शिक्षा का दायरा बढ़ाने के उद्देश्य से लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध 20 नये महाविद्यालय खुलने जा रहे हैं। कॉलेजो की जमीन के लिए भौतिक सत्यापन की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन के मुताबिक ये कॉलेज लखनऊ, हरदोई, रायबरेली, लखीमपुर और सीतापुर में खोले जायेंगे। हालांकि इस संबंध में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने पहले भी घोषणा की थी। कुवार को उन्होंने बताया कि कॉलेजों की जमीन के लिए भौतिक सत्यापन शुरू हुआ है। बता दें कि सचिव, उच्च शिक्षा की अध्यक्षता में हुई ऑनलाइन बैठक में भी निर्णय लिया गया कि जहां ये कॉलेज खोले जाने हैं, उस भूमि के सत्यापन की प्रक्रिया 31 जनवरी तक पूरा कर लिया जाये।

संबद्ध महाविद्यालयों में ऑनलाइन पढ़ाई का विकल्प नहीं

कोरोना महामारी के बीच लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से ऑनलाइन पढ़ाई के दिशा निर्देश जारी किए गये हैं, लेकिन मौजूद समय में 450 कॉलेजों में अधिकांश संस्थान ऐसे है जहां पर आनलाइन पढ़ाई का विकल्प नहीं है। छात्रों ने इस बात की लिखित शिकायत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय से की है। छात्रों का कहना है कि आनलाइन विकल्प न होने से उनका कोर्स पिछड़ेगा और पढ़ाई भी प्रभावित होगी।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

लविवि में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय ई-सम्मेलन शुरू

लखनऊ (एसएनबी)। ओएनजीसी सेंटर फॉर एडवांस स्टडीज (ओसीएएस), इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड मॉलिक्यूलर जेनेटिक्स एंड इंफेक्शियस डिजीज व आणविक और मानव आनुवंशिकी प्रयोगशाला, प्राणी विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा बुधवार को अनुसंधान एवं विकास योजना, उच्च शिक्षा के सहयोग से 'हाल ही में स्वास्थ्य और रोगों की नई प्रवृत्तियां' विषय पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय ई-सम्मेलन का शुभारम्भ किया गया।

सम्मेलन का शुभारम्भ करते हुए मुख्य अतिथि बायोमेडिकल रिसर्च सेंटर के निदेशक प्रो. आलोक धवन ने 'नैनोमैटेरियल टॉक्सिकोलॉजी : ए जर्नी फ्रॉम लेबोरेटरी टू पॉलिसी' विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। सम्मेलन की संयोजक आईएएमजीआईडी की निदेशक प्रो. मोनिशा बनर्जी ने अतिथियों का स्वागत किया। डीन रिसर्च, लविवि प्रो. राजीव पांडेय, डीन अकादमिक प्रो. राकेश चन्द्रा और जैव रसायन विभाग के प्रमुख प्रो. सुधीर मेहरोत्रा ने उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की तथा स्वास्थ्य सम्बंधी पहलुओं पर ज्ञान की महत्ता को समझाते हुए महामारी के समय में इस तरह के सम्मेलनों की आवश्यकता पर बल दिया। बाल रोग विशेषज्ञ और नैदानिक आनुवंशिकीविद प्रो. शुभा आर फड़के (चिकित्सा आनुवंशिकी, एसजीपीजीआई के प्रमुख) ने मोनोजेनिक विकारों में अगली पीढ़ी के अनुक्रमण की भूमिका के बारे में बताया।

कनारस हिन्दू विश्वविद्यालय की डा. गीता राय ने कोविड-19 में संभावित चिकित्सीय लक्ष्यों के रूप में न्यूट्रोफिल की भूमिका के बारे में बात की। एकेटीयू के प्रो. एम.के. दत्ता ने नैदानिक निदान में क्रमिक बुद्धिमत्ता पर व्याख्यान दिया। शिया पीजी कालेज के डा. शैलेश श्रीवास्तव ने रोग प्रबंधन की वैकल्पिक प्रणाली के महत्व पर बात की। सम्मेलन में भारत सहित पांच देशों फ्रांस, यूएसए, आयरलैंड, ऑस्ट्रेलिया से कई प्रतिष्ठित राष्ट्रीय वक्ता शोधकार्य प्रस्तुत करेंगे। सम्मेलन में 400 से अधिक शोधार्थियों ने पंजीकरण कराया है, जो 21 जनवरी 2022 को ई-पोस्टर से शोधकार्य प्रस्तुत करेंगे।